व्यापक उतार-चढ़ाव हो सकता है । हालांकि सरकार अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सभी वस्तुओं की कीमतों के ब्यौरे नहीं रखती है फिर भी यह विभिन्न मदों की कीमतों पर सामान्य निगरानी रखती है ।

(ग) और (घ) सरकार कृषिजन्य मदों के निर्यात को व्यापक रूप में बढ़ाने को उत्सुक है । इन मदों में उत्तम किस्म के चावल, ताजे फल और सब्जियां, साधित खाद्य पदार्थ, काजू, मसाले, खली, मांस तथा मांस उत्पाद शामिल हैं । सरकार की यह नीति है कि व्यापक उपभोग वाली मदों के निर्यात की अनुमति घरेलू आवश्यकताओं को पूरा करने के बाद ही दी जाए । वर्ष 1993-94 के लिए 2255 मिलियन अमरीकी डालर की कृषि मदों के निर्यात का लक्ष्य रखा गया है ।

Special Export House Status to State Export Corporation

4239. SHRI KAMAL MORARKA : Will the PRIME MINISTER be pleased to state :

(a) whether Government are considering the grant of Special Export house status to State Export corporations;

(b) if so, whether government have stressed that exports should be taken as a national priority and commitment by States;

(c) to what extent the decision would provide export potential of each State which could be exploited in an effort to improve the country's balance of payment; and

(d) to what extent State Export Corporations would be involved in future ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES, CONSUMER AFFAIRS AND PUBLIC DISTRIBUTION WITH ADDITIONAL CHARGE OF THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI KAMALUDDIN AHMED) : (a) and (b) Yes, Sir. Notification in this regard has already issued.

(c) and (d) It would enable the State Export Corporations to enlarge the ambit of their export activity and will encourage the small manufacturers/entrepreneurs to market their goods abroad through them.

मुक्त व्यापार क्षेत्र का योगदान

4240. **श्री अमरनाथ जाजवल्लभ :**
श्री सत्य प्रकाश मालवीय :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 1991-92 के वित्तीय वर्ष के दौरान देश के कुल निर्यात में मुक्त व्यापार क्षेत्र तथा शत-प्रतिशत निर्यातोन्मुखी इकाइयों का योगदान बहुत ही कम रहा है;

(ख) यदि हां, तो उक्त दोनों क्षेत्रों की इकाइयों के योगदान के संबंध में पृथक-पृथक प्रतिबध्दता लक्ष्य क्या-क्या थे और उनके अनुपात में उनका वास्तविक योगदान क्या-क्या था;

(ग) चालू वित्त वर्ष के दौरान जून, 1993 तक प्रश्न के भाग (ख) में उल्लिखित उनके प्रतिबध्दता लक्ष्यों तथा वास्तविक योगदान के संबंध में क्या स्थिति है; और

(घ) उक्त दोनों क्षेत्रों की इकाइयों के ऐसे कितने मामले हैं जिनमें प्रतिबध्दता लक्ष्यों को पूरा नहीं किया गया है तथा इसके क्या कारण हैं ?

नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय में राज्य मंत्री और वाणिज्य मंत्रालय में राज्य मंत्री का अतिरिक्त प्रभार (श्री कमालुद्दीन अहमद) : (क) और (ख) निर्यातोन्मुख एकक/निर्यात संसाधन जोन के एककों पर उनके आकार, स्थिति, सीमा शुल्क बॉन्डिंग की अपेक्षाओं और उनके अधिकांश उत्पादन के निर्यात-बाध्यित्व की दृष्टि से लगाए गए नियंत्रणों के संदर्भ में देश के कुल निर्यात का 5% (लगभग) योगदान बहुत कम नहीं है । वर्ष 1991-92 के दौरान दोनों योजनाओं के तहत एककों का वास्तविक निर्यात निम्नलिखित है :—

(करोड़ रुपए)
(अनुमानित)

	लक्ष्य	वास्तविक निर्यात
निर्यात संसाधन जोन	1188	1177
निर्यातोन्मुख एकक	—	1015

(निर्यातोन्मुख एककों के लिए कोई विशिष्ट निर्यात लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जाता है ।)

(ग) और (घ) वर्ष 1993-94 में निर्यात संसाधन जोनों के लिए निर्यात लक्ष्य और अप्रैल-जून, 1993 के दौरान निर्यात नीचे दर्शाया गया है :—

(करोड़ रुपए)

rhO%h	निर्यात
(1993-94) 2050	(अप्रैल, जून, 1993 के दौरान) 342.66

वर्ष 1991-92 के दौरान निर्यात संसाधन जोनों द्वारा लक्ष्य प्राप्ति में आपूर्ती गिरावट आई थी जोकि मुख्यत : रूपया फुगावान क्षेत्रों को निर्यात के विस्थापन के कारण ।